मिशन शक्ति का तीसरा चरण आज से

कार्यक्रम में 47 जिलों की 75 महिलाएं होंगी सम्मानित, राज्यपाल, मुख्यमंत्री और केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण रहेंगी मौजूद

लखनऊ। प्रदेश की महिलाओं-बेटियों को स्वावलंबी और सुरक्षा के लिए उन्हें जागरूक करने के लिए मिशन शक्ति अभियान के तीसरे चरण का शुभारंभ शनिवार को राजधानी के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में होगा। इस दौरान मिशन शक्ति के पहले व दूसरे चरण में उल्लेखनीय कार्य करने वाली 47 जिलों की 75 महिला अधिकारियों व कर्मचारियों को मिशन शक्ति पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। इस कार्यक्रम में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण मौजूद रहेंगी।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री निराश्रित महिला पेंशन योजना के तहत 29.68 लाख महिलाओं के खातों 451 करोड़ रुपये हस्तांतरित किए जाएंगे। साथ ही 1.73 लाख से अधिक नए लाभार्थियों को भी इस योजना से जोड़े जाएंगे। वहीं, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना के तहत 1.55 लाख बेटियों के खातों 30.12 करोड़ रुपये हस्तांतरित किए जाएंगे। इसके अलावा 59 हजार ग्राम पंचायत भवनों में मिशन शक्ति कक्ष की शुरुआत भी की जाएगी।

निदेशक महिला कल्याण मनोज राय ने बताया कि मिशन शक्ति के तीसरे चरण में महिलाओं को रोजग के मुख्यधारा से जोड़ने पर फोक किया जाएगा। महिला बीट पुलि अधिकारी की तैनाती के साथ 84.79 करोड़ रुपये की लागत 1286 थानों में पिंक टॉयलेट व निर्माण किया जाएगा। महिल बटालियनों के लिए 2,982 पदों प विशेष भर्ती की जाएगी। सभी पुलि लाइन में बालवाड़ी क्रेच की स्थाप भी की जाएगी। ब्यूरो

अवध क्षेत्र की इन महिलाओं का होगा सम्मान

लखनऊ : डॉ. सीमा मल्होत्रा (चिकित्सक), सीतू (सफाईकर्मी), प्रो. विनीता अग्रवाल (पीजीआई), मिनीमाल अब्राहम (नर्स), कामिनी कपूर (नर्स), विजी नायर (नर्स), मोनिका यादव (पुलिस उपाधीक्षक), रूचिता चौधरी (पुलिस उपायुक्त), विदिशा सिंह (अपर सचिव), तृप्ता शर्मा (स्वयं सहायता समूह) व डॉ. अल्का सिंह (शिक्षिका)।

रायबरेली : पूजा चौहान (आरक्षी)।

बलरामपुर : प्रगति श्रीवास्तव (सहायक अध्यापिका)।

अंबेडकरनगर : डॉ. तारा वर्मा (प्रधानाध्यापिका)।

बहराइच : अर्चना सिंह (लेखपाल)।

सीतापुर : लालिमा वर्मा (लैब टेक्निशियन)

अयोध्या : प्रीति तिवारी (आरक्षी) व नीतू राणा (नर्स)।